



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 108]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 5, 1982/ज्येष्ठ 15, 1904

No. 108]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 5, 1982/JAISTHA 15, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वणिज्य मंत्रालय

निर्यात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० 26-ईटीसीपीएन 82

नई दिल्ली, 5 जून, 1982

विषय:— 1982-83 के दौरान अफ्रीका मूल के आयातित अविनिर्मित हाथी दांत के बने हुए हाथी दांत के उत्पादों की निर्यात नीति ।

मि०स० 51(1) 82-ई-II—उपर्युक्त विषय पर निर्यात (नियंत्रण) संशोधन आदेश सं० ई (सी) ओ, 1977/ए.एम (242), दिनांक 5 जून, 1982 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है ।

2. वर्तमान निर्यात नीति के अनुसार, अग्रिम अग्रसार वाइसेंसो के अधीन आयातित अफ्रीका मूल के अविनिर्मित हाथी दांत के बने हुए उत्पादों का निर्यात अनुमेष है । 4 फरवरी, 1977 से पूर्व आयातित अफ्रीका हाथी दांत की बनी हुई वस्तुओं और जिसका बंटार 29 फरवरी, 1980 तक सभी व्यापारियों/वित्तिकारियों द्वारा अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड (ए.आई.एन.बी.), नई दिल्ली को पहले ही घोषित किया जा चुका है, का निर्यात निदेशक, जंगली जीव संरक्षण कृषि मंत्रालय द्वारा प्रदान किए गए छूट प्रमाण पत्र के आधार पर भी अनुमेष है ।

3. स्थिति की पुनरीक्षा करने पर अब यह निश्चय किया गया है कि 4 फरवरी, 1977 को या इसके बाद अफ्रीका मूल के आयातित अविनिर्मित हाथी दांत के बने हुए उत्पादों का निर्यात अनुमेष होगा और इसके साथ साथ जंगली फोना और फ्लोरा (सी आई टी ई एन) की संकटापन्न जातियों के अन्तर्गोष्ठीय व्यापार सम्मेलन के अधीन प्रबन्धक प्राधिकारों (निदेशक, जंगली जीव संरक्षण, भारत सरकार, कृषि मंत्रालय) द्वारा जारी किए गए पुनः निर्यात प्रमाण पत्र के आधार पर भी अनुमेष होगा ।

4. तबनुसार, आयात-निर्यात नीति, 1982-83 (वा० 2) के तालिका विवरण के पृष्ठ 31 पर क्रम सं० 100 के सामने दर्शाई गई वर्तमान प्रविष्टि हटा दी जाएगी और उपर्युक्त नीति पुस्तक के पृष्ठ 8 पर क्रम सं० 4(ख) 7 ख के पश्चात निम्नलिखित प्रविष्टि दी जाएगी :—

अनुसूची 1 के भाग 'ख' के अनुसार क्रम सं०	सद का विवरण	लाइसेंस प्रदान करने की नीति।
1	2	3
		4 फरवरी, 1977 से पहले आयातित अफ्रीका के हाथी दांत से बनी हुई वस्तुएं और जिनका स्टॉक 28 फरवरी, 1980 तक अखिल भारतीय/हस्तशिल्प बोर्ड (अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड) को व्यापारियों विनिमिताओं द्वारा घोषित कर दिया गया है, के निर्यात की अनुमति निदेशक, जंगली जीव संरक्षण, कृषि मंत्रालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले छूट प्रमाणपत्र के आधार पर दी जाएगी। ऐसा छूट प्रमाणपत्र केवल अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड के इस प्रमाणपत्र के बाद जारी किया जाएगा कि आयातित अफ्रीका हाथी दांत से बनी हुई मय उनके पाम विधिवत घोषित है।
		(ii) अग्रिम अग्रदाय आई०ई०पी० लाइसेंस खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत 4 फरवरी, 1977 को या उसके बाद आयातित अनिश्चित हाथी दांत से बने हुए हाथी दांत के उत्पादों के निर्यात की अनुमति मुख्य चार पत्तनों, बम्बई, कलकत्ता, बिल्सी और मद्रास पर जंगली जीव फोना और फ्लोरा (सी आई टी ई एस) की संकटापन्न जातियों के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन के अधीन प्रबन्ध प्राधिकारी (निदेशक, जंगली संरक्षण, भारत सरकार) द्वारा जारी किए गए पुनःनिर्यात प्रमाणपत्र के आधार पर दी जाएगी।
		(iii) संगत दस्तावेजों के साथ प्रत्येक परेपण क्षेत्रीय मध्यक निदेशक/जंगली जीव संरक्षण, भारत सरकार द्वारा स्थापित करने के अधीन होगा। निर्यात सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा सीधे ही अनुमति किया जाएगा।

[मि०सं० 51(1)/82-ई-11]

मणि नारायणस्वामी, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

EXPORT TRADE CONTROL
PUBLIC NOTICE NO. 26-ETC(PN)/82
New Delhi, the 5th June, 1982

Subject:—Export Policy of Ivory Products made out of imported unmanufactured ivory of African origin during 1982-83.

F.No.51(1)/82-E II.—Attention is invited to Exports (Control) Amendment Order No.E(C)O.1977/AM(242) dated the 5th June, 1982 on the above subject.

2. According to the existing export policy, export of Ivory Products made out of unmanufactured ivory of African origin imported under Advance/Imprest Licences is allowed. Export of articles made out of African Ivory imported prior to 4th February, 1977, and stocks of which have already been declared by the dealers/manufacturers to the All India Handicrafts Board (AIHB), New Delhi, by 29-2-1980 is also allowed on the basis of exemption certificate to be granted by the Director Wild Life Preservation Ministry of Agriculture.

3. On a review of the position, it has now been decided to allow export of ivory products made out of imported unmanufactured ivory of African Origin imported on or after 4-2-1977 also on the basis of Re-export certificate issued by the Management Authority (Director—Wild Life Preservation, Government of India, Ministry of Agriculture) New Delhi, under the Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora (CITES).

4. Accordingly, the existing entry appearing against S.No. 100 at page 31 of the Policy Statement of Import and Export Policy, 1982-83 (Volume II) shall be deleted and the following entry shall be made after S.No.4(b)7B at page 8 of the above Policy Book:—

S.No. as in Part 'B' of Schedule I	Description of the item	Licensing Policy
1	2	3
4(b)7C	Ivory products made out of unmanufactured imported ivory of African Origin.	<p>(i) Export of articles made out of African ivory imported prior to 4th February, 1977, and stocks of which have already been declared by the dealers/manufacturers to the All India Handicrafts Board (AIHB) New Delhi, by 29-2-80 will be allowed upto 31-3-1983 on the basis of exemption certificate to be granted by the Director, Wild Life Preservation Ministry of Agriculture. Such Exemption Certificates will be issued only after the AIHB certifies that the item is made out of imported African Ivory duly declared with them.</p> <p>(ii) Export of ivory products made out of unmanufactured ivory imported on or after 4-2-1977 under Advance/Imprest/REP Licence/OGLE will be allowed from four major ports of Bombay, Calcutta, Delhi and Madras on the basis of Re-export Certificate issued by the Management Authority (Director, Wild Life Preservation, Government of India) under the Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora (CITES).</p> <p>(iii) Each consignment alongwith related documents will be subject to verification by the Regional Assistant Director, Wild Life Preservation, Government of India, Export will be permitted direct by the Customs Authorities.</p>

[File No. 51(1)/82-E II]

MANI NARAYANSWAMI, Chief Controller of Imports & Exports

